





# GOVERNMENT DEGREE COLLEGE

MADHUBAN, PAKARI DAYAL "EAST CHAMPARAN,, (BIHAR)

Dr. GAUTAM KUMAR (Department of Geography)

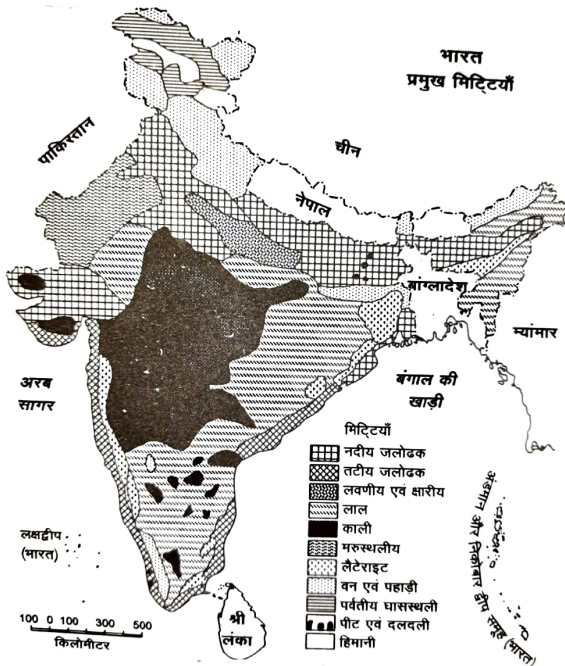
Email.ID - gyan000005@gmail.com Phone No- 09430509798/9682491741

- (2)
- 17) गहरी काली मिट्टी
  - 18) माध्यमिक काली मिट्टी
  - 19) खिखली चिकनी टोमट मिट्टी
  - 20) लाल व काली मिट्टी का मिश्रण
  - 21) लाल टोमट
  - 22) लाल बलुई मिट्टी
  - 23) मिश्रित लाल टोमट बलुई मिट्टी
  - 24) कंकरीली मिट्टी
  - 25) तराई की मिट्टी
  - 26) पर्वतों की मिट्टी
  - 27) दलदली मिट्टी
  - 28) पीट मिट्टी
  - 29) भूस्थलीय मिट्टी

मिट्टी के प्रकार → जिस प्रकार के एक ही प्रकार की मिट्टी को कई उपविभागों में बांट दिया गया है। भारत में एक ही प्रकार के मिट्टी को कई उपविभागों में बाँटा गया है। भारत में एक ही प्रकार के मिट्टी को कई उपविभागों में बाँटा गया है। भारत में एक ही प्रकार के मिट्टी को कई उपविभागों में बाँटा गया है।

- 1) हिमालय प्रदेश की मिट्टियाँ (पर्वतीय पथरीली मिट्टी)
- 2) विशाल मैदान की (लोह मिट्टी)
- 3) प्रायद्वीपीय पठार की मिट्टियाँ (लाल, लाल एवं लैटेराइट मिट्टी)
- 4) महाभूमि प्रदेश की मिट्टियाँ (बलुई मिट्टी)

MAP - प्रमुख मिट्टियों



17) हिमालय प्रदेश की मिट्टियाँ - हिमालय पर्वतीय प्रदेश में नवीन, दलदली तथा खर-खर मिट्टियाँ पाई जाती हैं - भारत में इस प्रकार की मिट्टियाँ 2 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्रफल में वितरित हैं। इनका खिचरण अचिन्ताशील है।

18) पथरीली मिट्टी - हिमालय पर्वत के दक्षिणी पर्वत पथरीय ढालों पर पथरीली मिट्टी पाई जाती है। मिट्टी द्वारा लवण गढ़ भट्ट मिट्टी होते हैं - 2 करोड़ हेक्टेयर तथा बालू के



GOVERNMENT DEGREE COLLEGE

MADHUBAN, PAKARI DAYAL "EAST CHAMPARAN,, (BIHAR)

Dr. GAUTAM KUMAR (Department of Geography)

Email.ID - gyan000005@gmail.com Phone No- 09430509798/9682491741

क्यों प्रमुख होती है जो अनुप्रवाह है क्योंकि उनमें जीवांशों की [3]  
मात्रा तथा वृषणित, चूने एवं लोहे का अंश बहुत ही कम होता है।

(ख) चूने तथा सोडोमाइस्ट-युक्त मिट्टी - हिमालय पर्वतीय प्रदेश में चूने तथा सोडोमाइस्ट युक्त मिट्टी भी पायी जाती है। जलियांश चूने आ आंश वषण काल में धुलकर बह जाता है। अतः यह मिट्टी कृषि कार्य हेतु अनुपयुक्त तथा फलुत्पादक हो गई है। यह मिट्टी नीमताल, धूपरी तथा चकरोता आदि के निकट नती क्षेत्रों में पाई जाती है। परन्तु पर्वतीय घाटियों में कहीं-कहीं भी मिट्टी में चावल उगाया जाता है।

(ग) लावा तथा मैग्ना से निर्मित मिट्टियाँ - हिमालय पर्वत के कई क्षेत्रों में आलाशुवी से निकली लावा एवं मैग्ना से निर्मित मिट्टियाँ पाई जाती हैं। प्रसिद्धी आग्नेय शैलों के विघटन से अपरदन के फलस्वरूप निर्मित हुई हैं। इनमें लोहा तथा चूने का अधिक प्रमाण चूने की मात्रा कम होती है। नाप इत्यादि के लिये यह मिट्टी उपयुक्त है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, कुमायूँ के देहरादून, पश्चिमी बंगाल के दार्जिलिंग आदि जिलों तथा कर्नाटक के पहाड़ी इलाकों पर भी मिट्टी की कृषिकला है।

(घ) विशाल मैदान की मिट्टियाँ - उत्तरी भारत के विशाल मैदान के सभी क्षेत्रों में कोयला या कच्ची कण्टा जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है। इन मिट्टी आग्नेय हिमालय प्रदेश से निकलने वाली तीन बड़ी नदियाँ - सुतलज, गंगा, एवं ब्रह्मपुत्र तथा इनकी सहायक नदियों ने अपनी निक्षेपण प्रक्रियाओं के फलस्वरूप किया है। भारत में इन प्रकार की मिट्टी का विलाल 7.89 लाख वर्ग Km क्षेत्रफल पर है। इन मिट्टी की सिन्नासिनिग उपभोगों में कौल जाइलस है।

(ङ) प्राचीन जलोढ़ मिट्टी - प्राचीन जलोढ़ कण्टा या पत्थरों से इन क्षेत्रों में पाई जाती है; अर्थात् नदियों की बाढ़ का जल डूबाई के कारण नहीं पहुँच पाता है। इन प्रकार की मिट्टी को बंगार मिट्टी (Bangar) कहते हैं। इन मिट्टी का अपरदन की शक्तों का प्रभाव अधिक होता है। इनके कारणों के लिये इन मिट्टी में सिंचाई की आवश्यकता अधिक होती है।

(च) नवीन जलोढ़ मिट्टी -> जिन क्षेत्रों में बाढ़ आती रहती है, अर्थात् क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित होते हैं; वहाँ नदियों प्रत्येक वर्ष कोय मिट्टी की नई परत-द-परत बिछा देती है। इन मिट्टी के कारण बहुत बारीक होते हैं तथा इनमें नमी धारण करने की क्षमता भी अधिक होती है। इन प्रकार की नवीन कोय मिट्टी को खेड़ा को खेड़ा (Khadar) कहते हैं। इन मिट्टी में जीवांशों की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक होती है।

(छ) प्राग्भूषीय पहाड़ की मिट्टियाँ - प्राग्भूषीय पहाड़ प्राचीन खेड़ा चट्टानों से निर्मित है। इनमें कठोर आग्नेय शैलों की प्रधानता है। इन पहाड़ पर प्राचीन मिट्टियाँ पाई जाती हैं। इनका लम्बाई 11 लाख वर्ग Km क्षेत्रफल में विलाल है। निर्माण, संरचना, रंग एवं उर्वरता की दृष्टि से इन क्षेत्रों की मिट्टियों का



निम्नलिखित भागों में कोटा जीकता है

**(क) काली मिट्टी** - उम मिट्टी का निर्माण उच्चोत्पत्ती चट्टानों के अपघटन एवं ऋणिकरण से हुआ है; अतः इसका रंग काला है। उम मिट्टी में लौहा, मैग्नेशियम, चूना, बॉक्साइट तथा जिप्समों की मात्रा अधिक होती है। भारत में काली मिट्टी का सीमा प्रपक्षीय पहाड़ के उत्तर-पश्चिमी भाग में लगभग 5 लाख वर्ग किमी क्षेत्रफल पर पाया जाता है। उम मिट्टी का निर्माण उत्तर में गुना (मध्य प्रदेश) से दक्षिण में बेलगाँव (कर्नाटक) तक और पश्चिम में कश्मिर (जुजरात) से पूरब में अण्डकोटक (मध्य प्रदेश) तक है। अतः जुजरात मध्य प्रदेश पश्चिमी मध्य प्रदेश और उत्तरी कर्नाटक राज्यों की यह मुख्य विशेष मिट्टी है। इसी प्रकार में बूंदी एवं टोंक जिलों में तथा उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड समभाग में भी यह मिट्टी पाई जाती है।

उम समूह प्रदेश की नदी घाटियों में इसी की उपजाऊ मिट्टियाँ पाई जाती हैं अतः पहाड़ी ढालों पर मिट्टियाँ छिछली और कम उपजाऊ हैं।

उम मिट्टी की मुख्य विशेषता कपास है, जो कारण उम कपास की काली मिट्टी भी कह जाता है। कपास के अतिरिक्त उम मिट्टी में चावल, जन्त, सोलमो, फल, उबदार-वाजरा, मूंगफली, तम्बाकू और सोयाबीन आदि भी उगाई जाती हैं। उम मिट्टियों की सिंचाई की पूर्ण सुविधा अवलम्ब नहीं है। अतः जिलों की प्रति हेक्टर पर उपज अपेक्षाकृत कम होती है।

- विशेषताएँ -**
- (i) यह मिट्टी नाले रंग की होती है।
- (ii) उम मिट्टी में जलधारण करने की क्षमता अधिक होती है। वर्षा होने पर यह चिपचिपी-सी हो जाती है।
- (iii) सूखने पर उम मिट्टी में 10-15 cm तक चौड़ी दर्राई पाई जाती है। जिससे उम मिट्टी में मौसमी जन वर्षा का गहराई तक प्रवेश कर जाती है।
- (iv) उम मिट्टी में कालसिमेन कार्बोनेट और मैग्नेशियम लवणों की मात्रा अधिक पाई जाती है।
- (v) यह मिट्टी बहुत उपजाऊ होती है। उम में गुताई की कम करनी पड़ती है तथा यह शीघ्र ही पुरकुरी हो जाती है।

**(ख) लाल कपीली मिट्टियाँ** - यह मिट्टी लाल, पीले भाँवर रंग की होती है परन्तु उम में लालरंग की अधिकता होती है। उम मिट्टी में लौहा अधिक मात्रा में पाया जाता है अतः रंग लाल ही कहा है। उम मिट्टी का निर्माण उबदार, नील व शिला जैसी प्राचीन आग्नेय शैलों के ऋणिकरण से हुआ है। दक्षिणी भाग में यह मिट्टी लगभग 2 लाख वर्ग Km क्षेत्रफल में फैली है। यह मिट्टी पश्चिमी तटों से पुनः होती है। उम में - पॉल्पोरस, पीटलथ, नाइट्रेजस, चूना तथा इमाल, की कमी पाई जाती है। परन्तु लौहा, रेसु मिनिमम व चूना अधिक



# GOVERNMENT DEGREE COLLEGE

MADHUBAN, PAKARI DAYAL "EAST CHAMPARAN,, (BIHAR)

Dr. GAUTAM KUMAR (Department of Geography)

Email.ID - gyan000005@gmail.com Phone No- 09430509798/9682491741

मादा नैमिषा होता है। <sup>[5]</sup> <sup>10</sup> <sup>20</sup> <sup>30</sup> <sup>40</sup> <sup>50</sup> <sup>60</sup> <sup>70</sup> <sup>80</sup> <sup>90</sup> <sup>100</sup> <sup>110</sup> <sup>120</sup> <sup>130</sup> <sup>140</sup> <sup>150</sup> <sup>160</sup> <sup>170</sup> <sup>180</sup> <sup>190</sup> <sup>200</sup> <sup>210</sup> <sup>220</sup> <sup>230</sup> <sup>240</sup> <sup>250</sup> <sup>260</sup> <sup>270</sup> <sup>280</sup> <sup>290</sup> <sup>300</sup> <sup>310</sup> <sup>320</sup> <sup>330</sup> <sup>340</sup> <sup>350</sup> <sup>360</sup> <sup>370</sup> <sup>380</sup> <sup>390</sup> <sup>400</sup> <sup>410</sup> <sup>420</sup> <sup>430</sup> <sup>440</sup> <sup>450</sup> <sup>460</sup> <sup>470</sup> <sup>480</sup> <sup>490</sup> <sup>500</sup> <sup>510</sup> <sup>520</sup> <sup>530</sup> <sup>540</sup> <sup>550</sup> <sup>560</sup> <sup>570</sup> <sup>580</sup> <sup>590</sup> <sup>600</sup> <sup>610</sup> <sup>620</sup> <sup>630</sup> <sup>640</sup> <sup>650</sup> <sup>660</sup> <sup>670</sup> <sup>680</sup> <sup>690</sup> <sup>700</sup> <sup>710</sup> <sup>720</sup> <sup>730</sup> <sup>740</sup> <sup>750</sup> <sup>760</sup> <sup>770</sup> <sup>780</sup> <sup>790</sup> <sup>800</sup> <sup>810</sup> <sup>820</sup> <sup>830</sup> <sup>840</sup> <sup>850</sup> <sup>860</sup> <sup>870</sup> <sup>880</sup> <sup>890</sup> <sup>900</sup> <sup>910</sup> <sup>920</sup> <sup>930</sup> <sup>940</sup> <sup>950</sup> <sup>960</sup> <sup>970</sup> <sup>980</sup> <sup>990</sup> <sup>1000</sup> <sup>1010</sup> <sup>1020</sup> <sup>1030</sup> <sup>1040</sup> <sup>1050</sup> <sup>1060</sup> <sup>1070</sup> <sup>1080</sup> <sup>1090</sup> <sup>1100</sup> <sup>1110</sup> <sup>1120</sup> <sup>1130</sup> <sup>1140</sup> <sup>1150</sup> <sup>1160</sup> <sup>1170</sup> <sup>1180</sup> <sup>1190</sup> <sup>1200</sup> <sup>1210</sup> <sup>1220</sup> <sup>1230</sup> <sup>1240</sup> <sup>1250</sup> <sup>1260</sup> <sup>1270</sup> <sup>1280</sup> <sup>1290</sup> <sup>1300</sup> <sup>1310</sup> <sup>1320</sup> <sup>1330</sup> <sup>1340</sup> <sup>1350</sup> <sup>1360</sup> <sup>1370</sup> <sup>1380</sup> <sup>1390</sup> <sup>1400</sup> <sup>1410</sup> <sup>1420</sup> <sup>1430</sup> <sup>1440</sup> <sup>1450</sup> <sup>1460</sup> <sup>1470</sup> <sup>1480</sup> <sup>1490</sup> <sup>1500</sup> <sup>1510</sup> <sup>1520</sup> <sup>1530</sup> <sup>1540</sup> <sup>1550</sup> <sup>1560</sup> <sup>1570</sup> <sup>1580</sup> <sup>1590</sup> <sup>1600</sup> <sup>1610</sup> <sup>1620</sup> <sup>1630</sup> <sup>1640</sup> <sup>1650</sup> <sup>1660</sup> <sup>1670</sup> <sup>1680</sup> <sup>1690</sup> <sup>1700</sup> <sup>1710</sup> <sup>1720</sup> <sup>1730</sup> <sup>1740</sup> <sup>1750</sup> <sup>1760</sup> <sup>1770</sup> <sup>1780</sup> <sup>1790</sup> <sup>1800</sup> <sup>1810</sup> <sup>1820</sup> <sup>1830</sup> <sup>1840</sup> <sup>1850</sup> <sup>1860</sup> <sup>1870</sup> <sup>1880</sup> <sup>1890</sup> <sup>1900</sup> <sup>1910</sup> <sup>1920</sup> <sup>1930</sup> <sup>1940</sup> <sup>1950</sup> <sup>1960</sup> <sup>1970</sup> <sup>1980</sup> <sup>1990</sup> <sup>2000</sup> <sup>2010</sup> <sup>2020</sup> <sup>2030</sup> <sup>2040</sup> <sup>2050</sup> <sup>2060</sup> <sup>2070</sup> <sup>2080</sup> <sup>2090</sup> <sup>2100</sup> <sup>2110</sup> <sup>2120</sup> <sup>2130</sup> <sup>2140</sup> <sup>2150</sup> <sup>2160</sup> <sup>2170</sup> <sup>2180</sup> <sup>2190</sup> <sup>2200</sup> <sup>2210</sup> <sup>2220</sup> <sup>2230</sup> <sup>2240</sup> <sup>2250</sup> <sup>2260</sup> <sup>2270</sup> <sup>2280</sup> <sup>2290</sup> <sup>2300</sup> <sup>2310</sup> <sup>2320</sup> <sup>2330</sup> <sup>2340</sup> <sup>2350</sup> <sup>2360</sup> <sup>2370</sup> <sup>2380</sup> <sup>2390</sup> <sup>2400</sup> <sup>2410</sup> <sup>2420</sup> <sup>2430</sup> <sup>2440</sup> <sup>2450</sup> <sup>2460</sup> <sup>2470</sup> <sup>2480</sup> <sup>2490</sup> <sup>2500</sup> <sup>2510</sup> <sup>2520</sup> <sup>2530</sup> <sup>2540</sup> <sup>2550</sup> <sup>2560</sup> <sup>2570</sup> <sup>2580</sup> <sup>2590</sup> <sup>2600</sup> <sup>2610</sup> <sup>2620</sup> <sup>2630</sup> <sup>2640</sup> <sup>2650</sup> <sup>2660</sup> <sup>2670</sup> <sup>2680</sup> <sup>2690</sup> <sup>2700</sup> <sup>2710</sup> <sup>2720</sup> <sup>2730</sup> <sup>2740</sup> <sup>2750</sup> <sup>2760</sup> <sup>2770</sup> <sup>2780</sup> <sup>2790</sup> <sup>2800</sup> <sup>2810</sup> <sup>2820</sup> <sup>2830</sup> <sup>2840</sup> <sup>2850</sup> <sup>2860</sup> <sup>2870</sup> <sup>2880</sup> <sup>2890</sup> <sup>2900</sup> <sup>2910</sup> <sup>2920</sup> <sup>2930</sup> <sup>2940</sup> <sup>2950</sup> <sup>2960</sup> <sup>2970</sup> <sup>2980</sup> <sup>2990</sup> <sup>3000</sup> <sup>3010</sup> <sup>3020</sup> <sup>3030</sup> <sup>3040</sup> <sup>3050</sup> <sup>3060</sup> <sup>3070</sup> <sup>3080</sup> <sup>3090</sup> <sup>3100</sup> <sup>3110</sup> <sup>3120</sup> <sup>3130</sup> <sup>3140</sup> <sup>3150</sup> <sup>3160</sup> <sup>3170</sup> <sup>3180</sup> <sup>3190</sup> <sup>3200</sup> <sup>3210</sup> <sup>3220</sup> <sup>3230</sup> <sup>3240</sup> <sup>3250</sup> <sup>3260</sup> <sup>3270</sup> <sup>3280</sup> <sup>3290</sup> <sup>3300</sup> <sup>3310</sup> <sup>3320</sup> <sup>3330</sup> <sup>3340</sup> <sup>3350</sup> <sup>3360</sup> <sup>3370</sup> <sup>3380</sup> <sup>3390</sup> <sup>3400</sup> <sup>3410</sup> <sup>3420</sup> <sup>3430</sup> <sup>3440</sup> <sup>3450</sup> <sup>3460</sup> <sup>3470</sup> <sup>3480</sup> <sup>3490</sup> <sup>3500</sup> <sup>3510</sup> <sup>3520</sup> <sup>3530</sup> <sup>3540</sup> <sup>3550</sup> <sup>3560</sup> <sup>3570</sup> <sup>3580</sup> <sup>3590</sup> <sup>3600</sup> <sup>3610</sup> <sup>3620</sup> <sup>3630</sup> <sup>3640</sup> <sup>3650</sup> <sup>3660</sup> <sup>3670</sup> <sup>3680</sup> <sup>3690</sup> <sup>3700</sup> <sup>3710</sup> <sup>3720</sup> <sup>3730</sup> <sup>3740</sup> <sup>3750</sup> <sup>3760</sup> <sup>3770</sup> <sup>3780</sup> <sup>3790</sup> <sup>3800</sup> <sup>3810</sup> <sup>3820</sup> <sup>3830</sup> <sup>3840</sup> <sup>3850</sup> <sup>3860</sup> <sup>3870</sup> <sup>3880</sup> <sup>3890</sup> <sup>3900</sup> <sup>3910</sup> <sup>3920</sup> <sup>3930</sup> <sup>3940</sup> <sup>3950</sup> <sup>3960</sup> <sup>3970</sup> <sup>3980</sup> <sup>3990</sup> <sup>4000</sup> <sup>4010</sup> <sup>4020</sup> <sup>4030</sup> <sup>4040</sup> <sup>4050</sup> <sup>4060</sup> <sup>4070</sup> <sup>4080</sup> <sup>4090</sup> <sup>4100</sup> <sup>4110</sup> <sup>4120</sup> <sup>4130</sup> <sup>4140</sup> <sup>4150</sup> <sup>4160</sup> <sup>4170</sup> <sup>4180</sup> <sup>4190</sup> <sup>4200</sup> <sup>4210</sup> <sup>4220</sup> <sup>4230</sup> <sup>4240</sup> <sup>4250</sup> <sup>4260</sup> <sup>4270</sup> <sup>4280</sup> <sup>4290</sup> <sup>4300</sup> <sup>4310</sup> <sup>4320</sup> <sup>4330</sup> <sup>4340</sup> <sup>4350</sup> <sup>4360</sup> <sup>4370</sup> <sup>4380</sup> <sup>4390</sup> <sup>4400</sup> <sup>4410</sup> <sup>4420</sup> <sup>4430</sup> <sup>4440</sup> <sup>4450</sup> <sup>4460</sup> <sup>4470</sup> <sup>4480</sup> <sup>4490</sup> <sup>4500</sup> <sup>4510</sup> <sup>4520</sup> <sup>4530</sup> <sup>4540</sup> <sup>4550</sup> <sup>4560</sup> <sup>4570</sup> <sup>4580</sup> <sup>4590</sup> <sup>4600</sup> <sup>4610</sup> <sup>4620</sup> <sup>4630</sup> <sup>4640</sup> <sup>4650</sup> <sup>4660</sup> <sup>4670</sup> <sup>4680</sup> <sup>4690</sup> <sup>4700</sup> <sup>4710</sup> <sup>4720</sup> <sup>4730</sup> <sup>4740</sup> <sup>4750</sup> <sup>4760</sup> <sup>4770</sup> <sup>4780</sup> <sup>4790</sup> <sup>4800</sup> <sup>4810</sup> <sup>4820</sup> <sup>4830</sup> <sup>4840</sup> <sup>4850</sup> <sup>4860</sup> <sup>4870</sup> <sup>4880</sup> <sup>4890</sup> <sup>4900</sup> <sup>4910</sup> <sup>4920</sup> <sup>4930</sup> <sup>4940</sup> <sup>4950</sup> <sup>4960</sup> <sup>4970</sup> <sup>4980</sup> <sup>4990</sup> <sup>5000</sup> <sup>5010</sup> <sup>5020</sup> <sup>5030</sup> <sup>5040</sup> <sup>5050</sup> <sup>5060</sup> <sup>5070</sup> <sup>5080</sup> <sup>5090</sup> <sup>5100</sup> <sup>5110</sup> <sup>5120</sup> <sup>5130</sup> <sup>5140</sup> <sup>5150</sup> <sup>5160</sup> <sup>5170</sup> <sup>5180</sup> <sup>5190</sup> <sup>5200</sup> <sup>5210</sup> <sup>5220</sup> <sup>5230</sup> <sup>5240</sup> <sup>5250</sup> <sup>5260</sup> <sup>5270</sup> <sup>5280</sup> <sup>5290</sup> <sup>5300</sup> <sup>5310</sup> <sup>5320</sup> <sup>5330</sup> <sup>5340</sup> <sup>5350</sup> <sup>5360</sup> <sup>5370</sup> <sup>5380</sup> <sup>5390</sup> <sup>5400</sup> <sup>5410</sup> <sup>5420</sup> <sup>5430</sup> <sup>5440</sup> <sup>5450</sup> <sup>5460</sup> <sup>5470</sup> <sup>5480</sup> <sup>5490</sup> <sup>5500</sup> <sup>5510</sup> <sup>5520</sup> <sup>5530</sup> <sup>5540</sup> <sup>5550</sup> <sup>5560</sup> <sup>5570</sup> <sup>5580</sup> <sup>5590</sup> <sup>5600</sup> <sup>5610</sup> <sup>5620</sup> <sup>5630</sup> <sup>5640</sup> <sup>5650</sup> <sup>5660</sup> <sup>5670</sup> <sup>5680</sup> <sup>5690</sup> <sup>5700</sup> <sup>5710</sup> <sup>5720</sup> <sup>5730</sup> <sup>5740</sup> <sup>5750</sup> <sup>5760</sup> <sup>5770</sup> <sup>5780</sup> <sup>5790</sup> <sup>5800</sup> <sup>5810</sup> <sup>5820</sup> <sup>5830</sup> <sup>5840</sup> <sup>5850</sup> <sup>5860</sup> <sup>5870</sup> <sup>5880</sup> <sup>5890</sup> <sup>5900</sup> <sup>5910</sup> <sup>5920</sup> <sup>5930</sup> <sup>5940</sup> <sup>5950</sup> <sup>5960</sup> <sup>5970</sup> <sup>5980</sup> <sup>5990</sup> <sup>6000</sup> <sup>6010</sup> <sup>6020</sup> <sup>6030</sup> <sup>6040</sup> <sup>6050</sup> <sup>6060</sup> <sup>6070</sup> <sup>6080</sup> <sup>6090</sup> <sup>6100</sup> <sup>6110</sup> <sup>6120</sup> <sup>6130</sup> <sup>6140</sup> <sup>6150</sup> <sup>6160</sup> <sup>6170</sup> <sup>6180</sup> <sup>6190</sup> <sup>6200</sup> <sup>6210</sup> <sup>6220</sup> <sup>6230</sup> <sup>6240</sup> <sup>6250</sup> <sup>6260</sup> <sup>6270</sup> <sup>6280</sup> <sup>6290</sup> <sup>6300</sup> <sup>6310</sup> <sup>6320</sup> <sup>6330</sup> <sup>6340</sup> <sup>6350</sup> <sup>6360</sup> <sup>6370</sup> <sup>6380</sup> <sup>6390</sup> <sup>6400</sup> <sup>6410</sup> <sup>6420</sup> <sup>6430</sup> <sup>6440</sup> <sup>6450</sup> <sup>6460</sup> <sup>6470</sup> <sup>6480</sup> <sup>6490</sup> <sup>6500</sup> <sup>6510</sup> <sup>6520</sup> <sup>6530</sup> <sup>6540</sup> <sup>6550</sup> <sup>6560</sup> <sup>6570</sup> <sup>6580</sup> <sup>6590</sup> <sup>6600</sup> <sup>6610</sup> <sup>6620</sup> <sup>6630</sup> <sup>6640</sup> <sup>6650</sup> <sup>6660</sup> <sup>6670</sup> <sup>6680</sup> <sup>6690</sup> <sup>6700</sup> <sup>6710</sup> <sup>6720</sup> <sup>6730</sup> <sup>6740</sup> <sup>6750</sup> <sup>6760</sup> <sup>6770</sup> <sup>6780</sup> <sup>6790</sup> <sup>6800</sup> <sup>6810</sup> <sup>6820</sup> <sup>6830</sup> <sup>6840</sup> <sup>6850</sup> <sup>6860</sup> <sup>6870</sup> <sup>6880</sup> <sup>6890</sup> <sup>6900</sup> <sup>6910</sup> <sup>6920</sup> <sup>6930</sup> <sup>6940</sup> <sup>6950</sup> <sup>6960</sup> <sup>6970</sup> <sup>6980</sup> <sup>6990</sup> <sup>7000</sup> <sup>7010</sup> <sup>7020</sup> <sup>7030</sup> <sup>7040</sup> <sup>7050</sup> <sup>7060</sup> <sup>7070</sup> <sup>7080</sup> <sup>7090</sup> <sup>7100</sup> <sup>7110</sup> <sup>7120</sup> <sup>7130</sup> <sup>7140</sup> <sup>7150</sup> <sup>7160</sup> <sup>7170</sup> <sup>7180</sup> <sup>7190</sup> <sup>7200</sup> <sup>7210</sup> <sup>7220</sup> <sup>7230</sup> <sup>7240</sup> <sup>7250</sup> <sup>7260</sup> <sup>7270</sup> <sup>7280</sup> <sup>7290</sup> <sup>7300</sup> <sup>7310</sup> <sup>7320</sup> <sup>7330</sup> <sup>7340</sup> <sup>7350</sup> <sup>7360</sup> <sup>7370</sup> <sup>7380</sup> <sup>7390</sup> <sup>7400</sup> <sup>7410</sup> <sup>7420</sup> <sup>7430</sup> <sup>7440</sup> <sup>7450</sup> <sup>7460</sup> <sup>7470</sup> <sup>7480</sup> <sup>7490</sup> <sup>7500</sup> <sup>7510</sup> <sup>7520</sup> <sup>7530</sup> <sup>7540</sup> <sup>7550</sup> <sup>7560</sup> <sup>7570</sup> <sup>7580</sup> <sup>7590</sup> <sup>7600</sup> <sup>7610</sup> <sup>7620</sup> <sup>7630</sup> <sup>7640</sup> <sup>7650</sup> <sup>7660</sup> <sup>7670</sup> <sup>7680</sup> <sup>7690</sup> <sup>7700</sup> <sup>7710</sup> <sup>7720</sup> <sup>7730</sup> <sup>7740</sup> <sup>7750</sup> <sup>7760</sup> <sup>7770</sup> <sup>7780</sup> <sup>7790</sup> <sup>7800</sup> <sup>7810</sup> <sup>7820</sup> <sup>7830</sup> <sup>7840</sup> <sup>7850</sup> <sup>7860</sup> <sup>7870</sup> <sup>7880</sup> <sup>7890</sup> <sup>7900</sup> <sup>7910</sup> <sup>7920</sup> <sup>7930</sup> <sup>7940</sup> <sup>7950</sup> <sup>7960</sup> <sup>7970</sup> <sup>7980</sup> <sup>7990</sup> <sup>8000</sup> <sup>8010</sup> <sup>8020</sup> <sup>8030</sup> <sup>8040</sup> <sup>8050</sup> <sup>8060</sup> <sup>8070</sup> <sup>8080</sup> <sup>8090</sup> <sup>8100</sup> <sup>8110</sup> <sup>8120</sup> <sup>8130</sup> <sup>8140</sup> <sup>8150</sup> <sup>8160</sup> <sup>8170</sup> <sup>8180</sup> <sup>8190</sup> <sup>8200</sup> <sup>8210</sup> <sup>8220</sup> <sup>8230</sup> <sup>8240</sup> <sup>8250</sup> <sup>8260</sup> <sup>8270</sup> <sup>8280</sup> <sup>8290</sup> <sup>8300</sup> <sup>8310</sup> <sup>8320</sup> <sup>8330</sup> <sup>8340</sup> <sup>8350</sup> <sup>8360</sup> <sup>8370</sup> <sup>8380</sup> <sup>8390</sup> <sup>8400</sup> <sup>8410</sup> <sup>8420</sup> <sup>8430</sup> <sup>8440</sup> <sup>8450</sup> <sup>8460</sup> <sup>8470</sup> <sup>8480</sup> <sup>8490</sup> <sup>8500</sup> <sup>8510</sup> <sup>8520</sup> <sup>8530</sup> <sup>8540</sup> <sup>8550</sup> <sup>8560</sup> <sup>8570</sup> <sup>8580</sup> <sup>8590</sup> <sup>8600</sup> <sup>8610</sup> <sup>8620</sup> <sup>8630</sup> <sup>8640</sup> <sup>8650</sup> <sup>8660</sup> <sup>8670</sup> <sup>8680</sup> <sup>8690</sup> <sup>8700</sup> <sup>8710</sup> <sup>8720</sup> <sup>8730</sup> <sup>8740</sup> <sup>8750</sup> <sup>8760</sup> <sup>8770</sup> <sup>8780</sup> <sup>8790</sup> <sup>8800</sup> <sup>8810</sup> <sup>8820</sup> <sup>8830</sup> <sup>8840</sup> <sup>8850</sup> <sup>8860</sup> <sup>8870</sup> <sup>8880</sup> <sup>8890</sup> <sup>8900</sup> <sup>8910</sup> <sup>8920</sup> <sup>8930</sup> <sup>8940</sup> <sup>8950</sup> <sup>8960</sup> <sup>8970</sup> <sup>8980</sup> <sup>8990</sup> <sup>9000</sup> <sup>9010</sup> <sup>9020</sup> <sup>9030</sup> <sup>9040</sup> <sup>9050</sup> <sup>9060</sup> <sup>9070</sup> <sup>9080</sup> <sup>9090</sup> <sup>9100</sup> <sup>9110</sup> <sup>9120</sup> <sup>9130</sup> <sup>9140</sup> <sup>9150</sup> <sup>9160</sup> <sup>9170</sup> <sup>9180</sup> <sup>9190</sup> <sup>9200</sup> <sup>9210</sup> <sup>9220</sup> <sup>9230</sup> <sup>9240</sup> <sup>9250</sup> <sup>9260</sup> <sup>9270</sup> <sup>9280</sup> <sup>9290</sup> <sup>9300</sup> <sup>9310</sup> <sup>9320</sup> <sup>9330</sup> <sup>9340</sup> <sup>9350</sup> <sup>9360</sup> <sup>9370</sup> <sup>9380</sup> <sup>9390</sup> <sup>9400</sup> <sup>9410</sup> <sup>9420</sup> <sup>9430</sup> <sup>9440</sup> <sup>9450</sup> <sup>9460</sup> <sup>9470</sup> <sup>9480</sup> <sup>9490</sup> <sup>9500</sup> <sup>9510</sup> <sup>9520</sup> <sup>9530</sup> <sup>9540</sup> <sup>9550</sup> <sup>9560</sup> <sup>9570</sup> <sup>9580</sup> <sup>9590</sup> <sup>9600</sup> <sup>9610</sup> <sup>9620</sup> <sup>9630</sup> <sup>9640</sup> <sup>9650</sup> <sup>9660</sup> <sup>9670</sup> <sup>9680</sup> <sup>9690</sup> <sup>9700</sup> <sup>9710</sup> <sup>9720</sup> <sup>9730</sup> <sup>9740</sup> <sup>9750</sup> <sup>9760</sup> <sup>9770</sup> <sup>9780</sup> <sup>9790</sup> <sup>9800</sup> <sup>9810</sup> <sup>9820</sup> <sup>9830</sup> <sup>9840</sup> <sup>9850</sup> <sup>9860</sup> <sup>9870</sup> <sup>9880</sup> <sup>9890</sup> <sup>9900</sup> <sup>9910</sup> <sup>9920</sup> <sup>9930</sup> <sup>9940</sup> <sup>9950</sup> <sup>9960</sup> <sup>9970</sup> <sup>9980</sup> <sup>9990</sup> <sup>10000</sup>

(ii) इसके संगम की होने के कारण भीम नदी की जलधारा क्षमता कम होती है। अतः जहाँ बिना सिंचाई के खेती होती है वहाँ भी जा सकती है।

(iii) इस भाग में ये नदियाँ कोट तक की होती हैं और उच्च भू-भाग पर बिखरी हुई कंकड़ों के समान होती हैं।

(iv) भीम नदी में लोहाय की मात्रा अधिक होती है, अतः वर्षा-सूतु में लोहा-आक्साइड (जंग) के रूप में नदी की कपटी परतें धरा जाता है।

(v) भीम नदी में मोटे कण तथा अधुनशील तत्व अधिक मिलते होते हैं।

(ग) लैटराइट नदी - भीम नदी का रंग लाल भाँसा होता है। मानसूनी जलवायु की विशेषता के कारण ये नदियाँ 200 cm से अधिक वार्षिक वर्षा वाले उच्च पर्वतीय ढालों पर विकसित होती हैं। यह नदी विविध तथा लवणों से युक्त होती है। इनमें मोटे-2 कण तथा कंकड़-पत्थरों का बहुल्य होता है। भीम नदी में चूना, फॉस्फोरस एवं पोटेश्युम का पाया जाता है। पत्थु वासी पत्थर अथवा यूथेष्ट मात्रा में होते हैं। भारत में लैटराइट नदी 1.22 लाख वर्ग Km क्षेत्रफल पर फैली हुई है। वर्षा होने पर यह नदी कोटल, एवं नरम, पत्थु युक्त परकोट हो जाती है। इनके नीचे समता से जहाँ चाल, गंगा, कापु चाम, राजी कदवा, तथा रकड़ काय जिलों की कृषि की जाती है। लैटराइट नदी कोटल, कैरल, राजमहल की पहाड़ियों, मध्याह्न के दक्षिणी भाग, उड़ीसा, आन्ध्र प्रदेश, कोल, तथा मेघालय के कुछ भागों में पाई जाती है। बालू में नदियाँ पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट, राजमहल की पहाड़ियों तथा मेघालय कोटल की पहाड़ियों के ढालों पर विद्युत हैं।

(vi) यह नदी बड़े रंग लाल भाँसे और रंग की होती है।

(vii) जहाँ मोटे कण तथा कंकड़-पत्थर अधिक पाये जाते हैं।

(viii) यह नदी अपेक्षाकृत अधिक उपजाऊ नहीं है।

(ix) इस नदी में नाइट्रोजन, चूना तथा फॉस्फोरस की मात्रा बहुत कम होती है।



(4) महाव्यतीत नदी की विशेषताएँ → महाव्यतीत नदियों के वर्षा की कमी

के कारण ऊपर, शंकु, धूर तथा कल्चर जैसी अनुर्वत मिट्टियाँ पाई जाती हैं। ये मिट्टियाँ लवण एवं क्षारीय गुणों से युक्त होती हैं। इन मिट्टियों में सोडियम के अतिरिक्त मैगनेशियम तथा की-आक्सा होती हैं। अतः ये अनुपजाऊ होती हैं। इनमें नदी वर्षा वनीयता के अभाव में सूख जाती हैं। इनमें सिंचाई कर केवल मोटे अनाज मूंगफली बदलफल ही उगाए जाते हैं। ये मिट्टियाँ सर-धू रखवर्त पड़ते हैं। इन मिट्टियों का गीतरा 1:14 मात्रा है। ये पठार पर अवेश तथा दक्षिण पंजाब एवं दक्षिण-पश्चिमी एशिया राज्यों में पाई जाती हैं।

विशेषताएँ → (i) डिभासिटी में बालू के मोटे कणों की प्रधानता होती है।

(ii) यह मिट्टी अपेक्षाकृत अनुपजाऊ होती है।

(iii) ये मिट्टियाँ नदी धारण करने की क्षमता अल्पधिककम होती हैं।

(iv) डिभासिटी में जल गहराई तक प्रवेश कर जाता है।

(v) डिभासिटी में जल की अधिक क्षमता होती है।

(vi) आर्षिक दृष्टि से ये महाव्यतीत मिट्टियाँ उपयोगी नहीं होतीं, परन्तु इनमें सिंचाई कर मोटे अनाज उगाए जा सकते हैं।

मिट्टी कटाव के कारण →

मिट्टी कटाव के अतिरिक्त कारण महत्व पूर्ण हैं।

- (1) भूमि आधार वर्षा - अल्पतः तीव्र गति से वर्षा होने पर भूमि जल का तल नीचे आसपास रहती है, जिस कारण भूमि की ऊपरी परत की उर्वर मिट्टी कटाव (जल के साथ बह जाती है)।
- (2) भूमि का ढाल → अधिक ढाल भूमि पर मिट्टी का कटाव तेजी से होता है, जिस कारण मैदानों की अपेक्षा पर्वतीय क्षेत्रों में उर्वर मिट्टी के कटाव की दर अधिक रहती है।
- (3) वन का तेजी से विनाश - वनों की जड़ें मिट्टी के कणों को बांधकर रखती हैं। अतः अल्पधिक वन विनाश के कारण वनीयता विहित भूमि कटाव-की शक्तियाँ तेजसे प्रभावित होती हैं।
- (4) असिंचित पशु चरना - पशु चरने के कारण मिट्टी के कण उखल जाते हैं। पशुओं के पैरों (और भी मिट्टी के कणों को ढीला कर देते हैं)। अतः पर्वतीय क्षेत्रों में ढाल वाली भूमि पर पशु चरने के कारण मिट्टी कटाव तेजी से होती जाती है।
- (5) स्थानान्तरणशील वृक्ष - पर्वतीय क्षेत्रों में वृक्ष या स्थानान्तरणशील वृक्षों से वन के विनाश में तेजी से वृक्षों के कारण मिट्टी कटाव तेजी से आरंभ होता है।



(7)

⑥ अमिश्रित जल - कृषि के ढाल के अनुषंग जल के कारण भी मिट्टी का खराब में आने होती है।

मिट्टी का संरक्षण (Soil Conservation) - नमून: देश के विभिन्न भागों में विविध प्रकार की मिट्टी को अपने हान पर स्थिर बना, इसके विभिन्न भौतिक और बायोप्रतिक लक्षण तत्वों को संतुलित बनाए रखना और इसे हान से बचाना तथा इनके विहित उर्वर शक्ति द्वारा दृष्टतम कृषि उत्पादन लाभ प्राप्त करना मिट्टी संरक्षण के मूल मूल प्रथम हैं। सामान्यतः देश में मिट्टी संरक्षण के लिए अर्थात् विभिन्न प्रकार के विज्ञानों को अपेक्षित है।

- ① अवनासिकाओं (Gullies) अवनसिकाओं को मुँहबंदी करना ताकि अवनासिकाओं को ऊपरी भाग से अपरमित पदार्थ में निक्षेप होत पर इनकी गहराई कम हो सके।
- ② ढालु भागों में लोपत उक्त धरातल बनाना जिससे ऊपरी से आने वाले घनीकी धारा का वेग कम हो जा सके।
- ③ अवनसिकाओं युक्त क्षेत्र को समतल करना ताकि ऊपर-बाक धरातल को समतल करके उचित कृषि एवं पशुचरण को प्रोत्साहित हो सके तथा अनामजिक तत्वों के इन धरातल भागों को रूपांतर करके सुरक्षा की भावना विकसित की जा सके।
- ④ वृक्षादीपन करना - जो विधि सेन केवल मिट्टी अपरदन को नियंत्रित किया जाता बल्कि घटने पर जल प्रवाह में कमी, वृक्षों से बनी एवं अन्य पदार्थों की प्रतिक्रिया जलवायु सुधार और स्वयं गंधारि स्थिति की वजह से संतुलन की भावना विकसित की जा सके।
- ⑤ पशुचरण पर नियंत्रण - हिमालय की ढाल एवं राजस्थान, गुजरात, झारखण्ड, और देश के कई अन्य शुष्क भागों में पशुचरण नियंत्रण पशुओं के चरों द्वारा मिट्टी का विविध होना और पशुओं द्वारा ऊपरी वनस्पति के आवरण को नष्ट करके मिट्टी के अपरदन में वृद्धि हुई है।

⑥ कृषि की वैज्ञानिक विधियों का उपयोग - देश के विभिन्न भागों में उर्वरता और नमिलनाइ के पक्षी भागों में स्वतंत्र कृषि तंत्रों के विकास का भागों में कृषि को बढ़ावा देने एवं वैज्ञानिक विधियों से मिट्टी अपरदन को बचाया है। कनाडा इन विधियों को लोकपाल हेतु चीन के टै-फोर मिट्टी को बचक रखा और बर्मा नाली फील्ड धरातलीय अनुकूलता को दृष्टि से फसलों का चयन और उन्नत कृषि विधियों का प्रयोग भी मिट्टी अपरदन को रोकने में सहायक है।

निष्कर्ष (Conclusion) - भारत की मिट्टियों के विविध प्रजातों में स्थलाकृतिक वनस्पत जलवायु वनस्पतियों को विभिन्न दृष्टिकोण से होता है। यह मुख्यतः चट्टानों के आधार पर क्वाड्रिपे, अपरतम, मिट्टी के अतिम मिट्टियों पायी जाती है। जिनके अतिरिक्त, आम मिट्टी, लावण पीली मिट्टी, लैटेराइट मिट्टी, कालीमा रेगुर मिट्टियों पायी जाती है। मैदानी भागों में कृषि, लैटेराइट मिट्टी, अतिपायी जाती है। मिट्टी की गुणवत्ता को हान से बचाने और रोकने के लिए आवश्यक है।

GOVERNMENT DEGREE COLLEGE

MADHUBAN, PAKARI DAYAL "EAST CHAMPARAN,, (BIHAR)

Dr. GAUTAM KUMAR (Department of Geography)

Email.ID - [gyan000005@gmail.com](mailto:gyan000005@gmail.com) Phone No- 09430509798/9682491741

नोडल प्रश्न (Nodal Question) - ?

8

- Q. (1) भारत में पाई जॉन का की सिद्धि के प्रकारों का विवरण प्रस्तुत कीजिए ?
- Q. (2) प्रायद्वीप में कोरु पाप ही मीतर भारत की सिद्धि के प्रकारों का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए ?
- Q. (3) भारत के सिद्धि काल एवं दूरक्षण पर यह किस विवरण दीजिए ?
- Q. (4) भारत के सिद्धियों के विभिन्न प्रकारों के नाम बताइए तथा उनमें से किसी एक की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
- Q. (5) भारत की दो प्रमुख सिद्धियों के नाम, विशिष्टताओं एवं शेष उपयोगिता का विवरण दीजिए।
- Q. (6) भारत की सिद्धियों पर एक भौगोलिक विषय लिखिए ?
- Q. (7) भारत की सिद्धियों का वर्गीकरण करें उनके से किसी एक की विशेषताओं की विवेचना कीजिए।
- Q. (8) भारत की प्रमुख सिद्धियों का वर्णन कीजिए ?

Dr. Gautam  
Date  
10 April 2018.